इंडियनऑयल IndianOil वर्ष 2022 हरित भविष्य की ओर

पाइपलाइन्स प्रभाग

हिंदी दिवस संदेश

14 सितम्बर, 2022

निदेशक (पाइपलाइन्स) का हिन्दी दिवस संदेश

मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण में भाषा, उसकी अभिव्यक्ति, उसकी वाणी और संवाद-कौशल की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाषा ही साक्षरता, शिक्षा, ज्ञान, सूचना और संप्रेषण सभी की आधार शिला होती है। हमारी भाषा, हमारी वाणी ही हमारे स्वप्नों को, हमारी कल्पनाओं को, हमारी सोच और हमारे चिंतन को स्वर प्रदान करती है।

जैसे संगीत के सात स्वर सुर को परिपूर्ण करते हैं, वैसे ही संपर्क, संसाधन, साथ, समूह, सोच, सहयोग व सकारात्मकता से सात "स" समेटे राजभाषा हिन्दी अपने आप में एक शक्ति है। जो निश्चय ही राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रही है।

हमारे देश में जहाँ 22 विभिन्न भाषाओं को कार्यक्षेत्र की भाषा का दर्जा मिला हुआ है, वहीं हिंदी को भारतीय संविधान द्वारा मुख्य भाषा होने का गौरव प्राप्त है क्योंकि भारत के अधिकतर जगहों पर यह बहुत ही सहजता के साथ बोली एवं समझी जाती है। अगर इतिहास के पन्नों में देखें तो अंग्रेजों ने भारत में अपना पैर जमाने के लिए भारतीय संस्कृति, स्थानीय बोलियों और राष्ट्रभाषा पर चोट की और लोगों को अलगाववादी मानसिकता की धारा में बहाने का प्रयास किया, इसलिए हिंदी को सहज, सरल बनाने के साथ-साथ इसकी एकरूपता पर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

हिंदी भाषा के विकास और इसे अंतर्राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए इसमें आधुनिकता का समावेश जरूरी है ताकि जन-सामान्य इससे जुड़ सके। राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन न केवल संवैधानिक आवश्यकता है बल्कि व्यावसायिक क्षेत्र में सफल होने के लिए भी इसकी अहम भूमिका है। यही कारण है कि कार्यालयों में प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्रों में भी राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रमुखता प्रदान करना अति आवश्यक हो गया है। हिन्दी के प्रयोग को सुदृढ़ करने का एक तरीका यह भी है कि इसका निरंतर अभ्यास होता रहे।

राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग किए जाने के लिए बनाए गए अधिनियम, नियमों तथा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों का पालन करते हुए, हमें अपने काम-काज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का भरसक प्रयास करना चाहिए। अब कंप्यूटरों तथा अन्य उपकरणों की उपलब्धता के फलस्वरूप हिंदी में कार्य करना पहले से बहुत अधिक सरल हो गया है। यह हर्ष का विषय है कि सरकारी काम-काज हिंदी में किए जाने के प्रयास में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है परंतु यह प्रगति यथेष्ट नहीं है। अतः हमें इसे और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने हैं।

हम सब को मिलकर ही हिन्दी की महत्ता और सार्थकता को गौरवान्वित महसूस कराना होगा। यह ज़िम्मेदारी अब आप सब के कंधों पर है। मुझे मालूम है रास्ते कठिन है पर नामुमकिन नहीं।

शुभकामनाओं सहित,

14 सितम्बर, 2022

दयानंद नानावरे

डी एस नानावरे

निदेशक (पाइपलाइन्स)